# शैक्षिक निर्देशन →

वर्तमान युग में जहाँ मानव-जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विविधताओं एवं जटिलताओं की बहुत अधिक बोलबाला है। वहीं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम आविष्कारों एवं बढ़ती हुई जन संख्या ने इन विविधताओं एवं जटिलताओं में अधिक वृद्धि की है। आज कोई भी व्यक्ति अपने आप में इतना सक्षम एवं समर्थ नहीं है कि वह जीवन की प्रत्येक समस्या को स्वयं सुलझा सके। एवं स्वयं निर्णय ले सके, जो उसे जीवन की सफलता की मंजिल तक पहुँचा सके। वर्तमान में यह प्रश्न चाहे शिक्षा-क्षेत्र में विषयों के चयन का हो या व्यवसाय के क्षेत्र में व्यवसाय चयन का हो आज प्रत्येक व्यक्ति को अन्य अनुभवी एवं प्रशिक्षित व्यक्तियों से निर्देशन प्राप्त करना आवश्यक हो गया है।

Page No.:
Date: / /

निर्देशन वह प्रक्रिया है जिसमे एक अनुभवी या प्रशिक्षित व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को उसके बुद्धि भली पूर्ण चयन एवं सामाजिक के साथ-साथ अन्य सभी प्रकार के समायोजन के संदर्भ मे सहायता प्रदान करता है। किसी भी व्यक्ति मे चुनाव या चयन की योग्यता न तो जन्म जात होती है। और न ही मूल प्रवृत्तियों से सम्बन्धित होती है। व्यक्ति मे इस योग्यता का विकास अन्य योग्यता के साथ-साथ ही होता है। और शिक्षा व्यक्ति के ~~विषय~~ अन्य योग्यता

के साथ-साथ ही होता है शिक्षा व्यक्ति के विकास का आधार है। अर्थात शिक्षा द्वारा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। अतः यह स्पष्ट है। शिक्षा एक महत्वपूर्ण कार्य है।

17/08/2020

# शैक्षिक निर्देशन की परिभाषाएँ

निर्देशन एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति को सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वह अपना निर्णय ले सके, निष्कर्ष निकाल सके एवं अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके। निर्देशन के द्वारा व्यक्ति अपने व्यक्तित्व, क्षमता योग्यता एवं मानसिक स्तर का ज्ञान प्राप्त करता है। अतः निर्देशन को अनेक विद्वानों ने अपने अपने मतानुसार परिभाषित किया है।

1- स्किनर →

"नव युवकों को अपने प्रति, दूसरे के प्रति तथा परिस्थितियों के प्रति समायोजन में सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया निर्देशन है।"

2- गुड के अनुसार →

निर्देशन व्यक्ति के दृष्टिकोण एवं उसके बाद के व्यवहार को प्रभावित करने के उद्देश्य

18/09/20

Page No.:
Date: / /

से स्थापित, गतिशील आपसी सम्बन्धो का एक प्रक्रम है"

**कुल्लु स्वामी →**
"निर्देशन व्यक्ति को अपने समायोजन की समस्याओं मे सहायता देने की प्रक्रिया है"

**क्रो एवं क्रो →**
"निर्देशन लक्ष्य निर्धारित करना नही है। यह अपने विचार को दूसरो पर लादना नही है यह उन निर्णयों का जिन्हे एक व्यक्ति को अपने लिए स्वयं लेना चाहिए, निश्चित करना नही है। यह दूसरो के दायित्वो को अपने ऊपर लेना नही है। वरन निर्देशन वह सहायता है। जो एक कुशल परामर्शदाता द्वारा किसी भी आयु के व्यक्ति को अपना जीवन निर्देशित करने अपना दृष्टि कोण विकसित करने, स्वयं निर्णय लेने तथा भार सम्भालने के लिए दिया जा रहा है।

# निर्देशन की विशेषताएँ →

निर्देशन वास्तव में एक प्रक्रिया है। जो व्यक्ति को उसके भावी जीवन हेतु दिशा-निर्देशन प्रदान करने में सहायक होता है।

अतः इस दृष्टि से निर्देशन की निम्नांकित विशेषताएँ है।

→1 निर्देशन एक प्रक्रिया है जो व्यक्ति को मार्गदर्शन प्रदान करता है।

→2 निर्देशन व्यक्तिगत विभिन्नताओं पर आधारित होता है।

→3) निर्देशन व्यक्ति के समायोजन में सहायक होता है।

(4)→ निर्देशन की प्रक्रिया व्यक्तिकेन्द्रित होती है।

(5) निर्देशन एक आत्म निर्देशन की प्रक्रिया है।

6 निर्देशन व्यक्ति के जीवन से सम्बन्धित होता है।

19/8/2020

## निर्देशन के कार्य →

निर्देशन एक सोद्देश्य प्रक्रिया है। उद्देश्य हीन कार्य करने वाले की रुचि रहती है और न कार्य ही उचित ढंग से पूरा होता है। निर्देशन की प्रक्रिया के कुछ उद्देश्य है। जिनको आधार मानकर यह चलती है। विभिन्न विद्वानो द्वारा दिये गये निर्देशन के उद्देश्य उनके मतानुसार इस प्रकार है।

## बाकर मेहन्दी के अनुसार →

1- विद्यार्थी को नये शिक्षा उद्देश्यो से परिचित करना

(2) विद्यार्थियों को नये श्रेष्ट नियोजन की आवश्यकता से परिचित कराना

(3) विद्यार्थियों को उनकी रुचि के विषयों के चयन में सहायता देकर शिक्षा के सहयोग में सहायता करना।

(3) विद्यार्थियों को उनकी रुचि के विषयों के चयन में सहायता देकर शिक्षा के समायोजन में सहायता करना

(4) विद्यार्थियों में विषय से सम्बन्धित कठिनाइयों को दूर करके और अच्छे अध्ययन कौशलों का विकास करके शिक्षा में उन्नति करना

(5) विद्यार्थियों में अध्ययन के लिए उचित प्रेरणा विकसित करना।

## हम्फ्रीज तथा ट्रेक्सलर →

1- स्वयं को समझना।
2- अपनी प्रतिभाओं, रुचियों एवं अन्य गुणों का पूर्ण लाभ उठाना
3- व्यक्तित्व में अपने निर्णय स्वयं लेने की योग्यता का विकास करना
(4) समाज में योगदान के लिए पूर्ण सहयोग देना
(5) अपने पूर्ण परिवेश में विभिन्न परिस्थितियों में सामंजस्य स्थापित करना

20/08/20

# निर्देशन के प्रकार

आधुनिक समाज में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनेक समस्याएँ होती हैं। ये समस्याएँ व्यक्ति के स्वयं के जीवन और समाज के विभिन्न पक्षों से सम्बन्धित होती है और व्यक्ति इस प्रकार की समस्याओं के समाधान में सक्षम नहीं हैं। अतः उनको निर्देशन की ओर अग्रसर होना पड़ता है। शिक्षा एवं व्यवसाय के अतिरिक्त सामाजिक एवं नागरिक कार्य स्वास्थ्य, अवकाश का उपयोग, पारिवारिक सम्बन्ध आदि अनेक ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें मनुष्य निर्देशन की आवश्यकता को अनुभव करता है। मानव जीवन के इन क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए निर्देशन कई प्रकार विद्वानों द्वारा दिया गया है। जो निम्नलिखित है।

## विलियम मार्टिन प्रोक्टर → व्यवसायिक

1- व्यवसायिक निर्देशन।
2- शैक्षिक निर्देशन।
3- सामाजिक एवं नागरिक कार्यों में निर्देशन।
4- स्वास्थ्य एवं शारीरिक समस्या में निर्देशन।
5- चरित्र निर्माण क्रियाओं में निर्देशन
6- अवकाश के समय का उत्तम उपयोग करने के लिए निर्देशन
7-

## जॉन एम० ब्रेवर के अनुसार →

1→ शैक्षिक निर्देशन
2→ व्यवसिक निर्देशन
3→ घरेलू सम्बन्धो निर्देशन
4→ धार्मिक निर्देशन
5→ अवकाश एवं मनोरंजन के लिए निर्देशन
6- नागरिकता के लिए निर्देशन
7- व्यक्तिक उन्नति सम्बन्धी निर्देशन
8- उचित कार्य करने के लिए निर्देशन

21/08/2020